आया शरण ठोकरें जग की खा के हटूंगा प्रभु तेरी दया दृष्टि पाके Bhajans Bhakti Songs

आया शरण ठोकरें
जग की खा के,
हटूंगा प्रभु तेरी
दया दृष्टि पाके।

पहले मगन हो
सुखी नींद सोया,
सब कुछ पाने का
सपना संजोया।

मिला तो वहो जो
लाया लिखा के,
आया शरण ठोकरें
जग की खा के॥

मान यह काया का
है बस छलावा,
रावण सा मानी

भी बचने ना पाया।

रखूंगा कहाँ तक मैं
खुद को बचा के,
आया शरण ठोकरें
जग की खा के॥

कर्मों की लीला
बड़ी है निराली,
हरिश्चंद्र मरघट
की करे रखवाली।

समझ में यह आया
सब कुछ लुटा के,
आया शरण ठोकरें
जग की खा के॥

ना है चाह कोई,
ना है कोई इच्छा,
अपनी दया की

मुझे दे दो भिक्षा।
जिसे सबने छोड़ा
उसे तू ही राखे,

Source: https://www.bharattemples.com/aaya-sharan-me-thokaren-jag-ki-kha-ke/

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw